दो बूंद ज़िन्दगी की

دو بوند زندگی کی

पोलियो
उन्मूलन अभियान

बिहार सरकार

राज्य स्वास्थ्य समिति

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

WHO

ROTARY

CDC
SAFER • HEALTHIER • PEOPLE™

unicef

पोलियो क्या है?

- पोलियो, वायरस से फैलने वाली एक लाइलाज बीमारी है।
- पोलियो का संक्रमण ज्यादातर जन्म से लेकर पाँच साल तक के बच्चों को होता है।
- पोलियो का वायरस सामान्यतः हाथ और पैर को हमेशा के लिए लकवाग्रस्त कर देता है।

पोलियो कैसे फैलता है?

मल

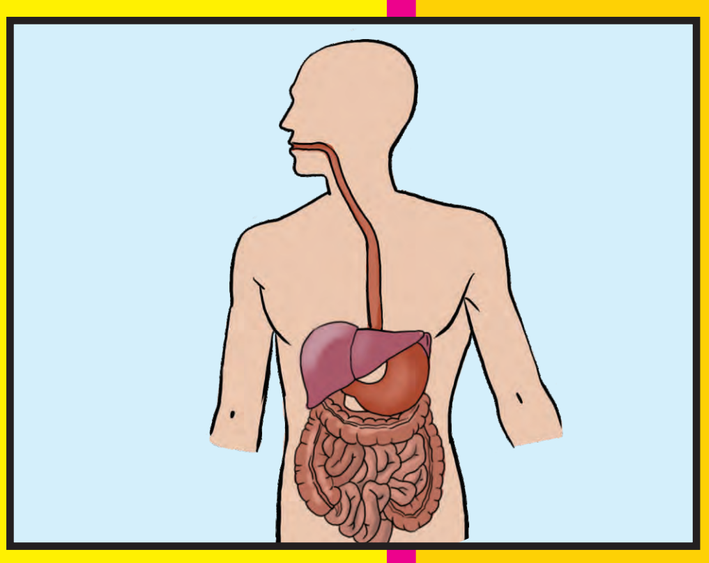

आँत

जल

मुँह

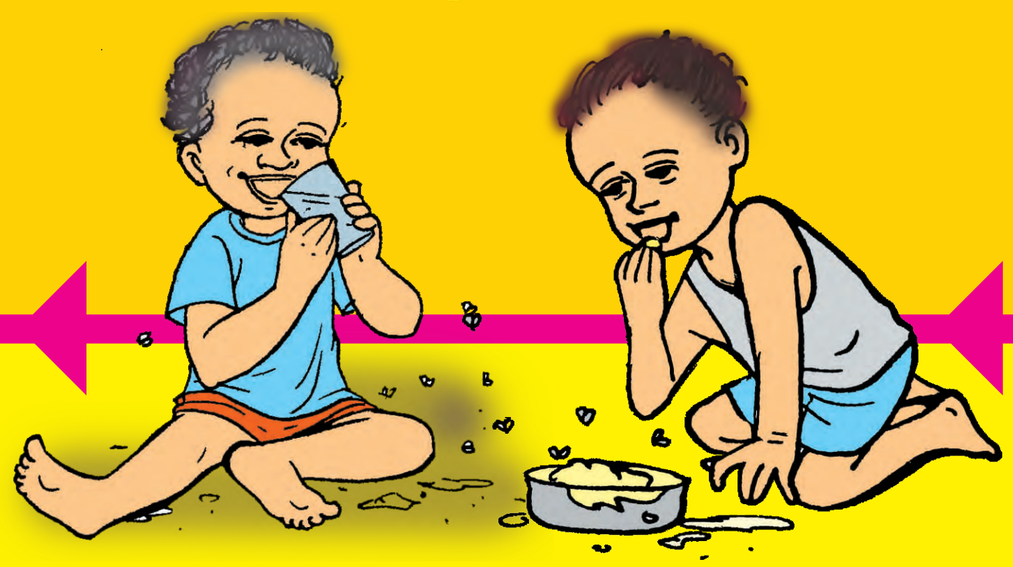

पोलियो का वायरस मुँह में जाने वाली कोई भी चीज जैसे- पानी, खाना या गंदे हाथों के माध्यम से शरीर में पहुँचकर आंत में फैलते हुए मल द्वारा बाहर निकलता है।

पोलियो के लक्षण क्या हैं?

- शुरूआत में बुखार
- अचानक अंगों (हाथ / पैर) का लुंज-पुंज होना
- सामान्यतः पैर या हाथ का लकवाग्रस्त हो जाना

सभी लकवा पोलियो नहीं

- पोलियो के अलावे दूसरे कारणों से भी लकवा हो सकता है।
- पोलियो सामान्यतः पाँच वर्ष तक के बच्चों को होता है। जबकि लकवा बच्चे या बूढ़े किसी को भी हो सकता है।
- लकवा गंभीर चोट, अत्यधिक बुखार, कुपोषण आदि अनेक कारणों से होता है।

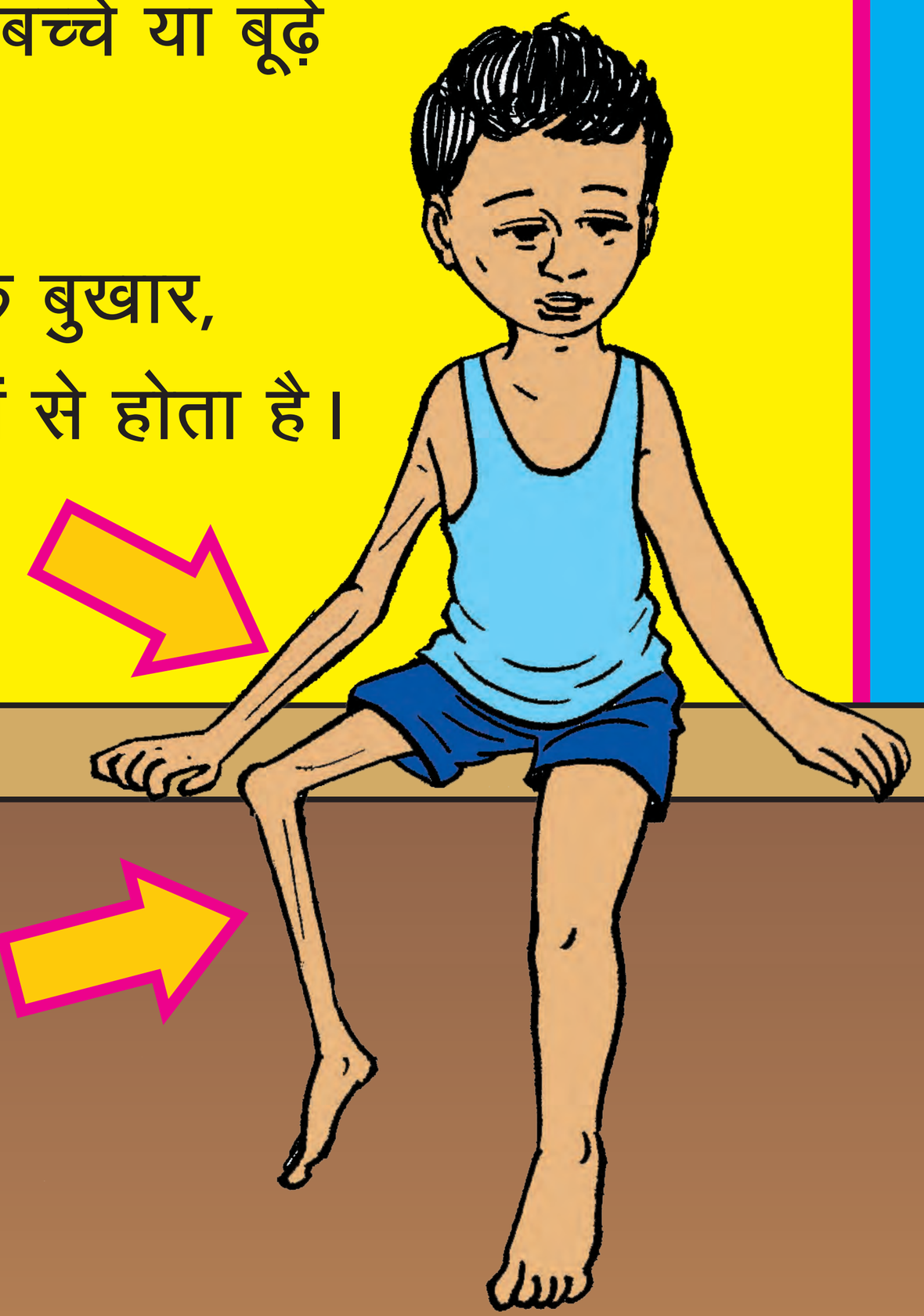

पोलियो से बचने के उपाय

एक भी बच्चा छूटा

सुरक्षा चक्र टूटा

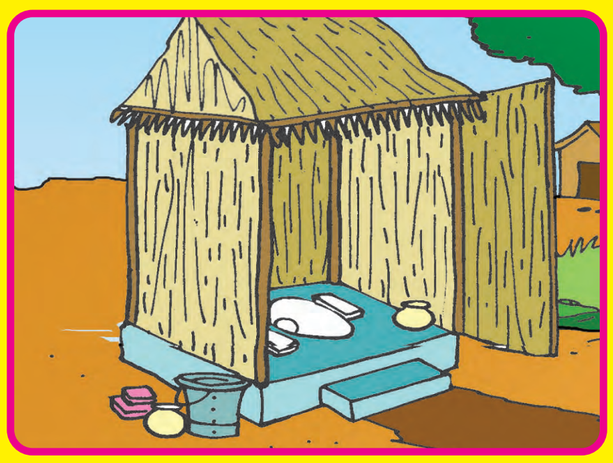

- जन्म से पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो उन्मूलन अभियान के दौरान हर बार पोलियो की खुराक पिलाना।
- सभी बच्चों का नियमित टीकाकरण।
- खुले में शौच नहीं करना। शौच के लिए सिर्फ शौचालय का प्रयोग।
- खाना बनाने, खाने या खिलाने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना। शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना।

पोलियो उन्मूलन अभियान क्या है?

- पोलियो उन्मूलन अभियान पोलियो को जड़ से खत्म करने के लिये है।
- इसमे जन्म से **5** वर्ष तक के सभी बच्चों को एक साथ पोलियो की खुराक बार-बार दी जाती है।
- पोलियो वायरस को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी बच्चों का एक साथ प्रतिरक्षित होना आवश्यक है।

पोलियो पर ही इतना जोर क्यो ?

- चेचक की तरह पोलियो का भी सफाया सम्भव है।
- इससे बचाव के लिये कारगर टीका हमारे पास मौजूद है।
- जिससे लाखों बच्चों को अपाहिज होने से बचाया जा रहा है।

पोलियो खुराक बार-बार पिलाना क्यों जरूरी है?

- पोलियो से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए पोलियो की खुराक बार-बार दी जानी चाहिए। जब तक यह कीटाणु रहेगा बच्चे पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगे।

- पोलियो के कीटाणुओं को जड़ से तभी समाप्त किया जा सकता है जब हम हर एक बच्चे को पोलियो की खुराक हर बार पिलवाएं।

हर बच्चा

हर बार

दो बूंद ज़िन्दगी की

पोलियो की खुराक देने के बाद भी कुछ बच्चों को पोलियो क्यों हो जाता है?

- पोलियो वायरस अभी भी मौजूद है।
- पोलियो से लड़ने की क्षमता विकसित करने में कुछ बच्चों को ज्यादा खुराक या समय लग सकता है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे कुपोषण, अस्वच्छता आदि।
- एक भी बच्चा खुराक लेने से वंचित रह गया तो इसका असर सभी बच्चों पर पड़ेगा।
- हर बार पोलियो की खुराक लेने से ही बच्चा निश्चित रूप से सुरक्षित हो जाएगा।

क्या पोलियो की खुराक बच्चों के लिये सुरक्षित हैं?

- हाँ! पोलियो की खुराक पूरी तरह से सुरक्षित है।
- यह एक सुरक्षित टीका है, नवजात या बीमार बच्चे को भी पोलियो की खुराक जरूर देना चाहिए।
- पूरे भारत और विश्व के करोड़ों बच्चे पोलियो खुराक ले रहे हैं। यह बच्चों को पोलियो से सुरक्षा देती है।
- भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं इंडियन एकेडमी ऑफ पेडियैट्रिक्स ने इसकी गुणवत्ता को प्रमाणित किया है।

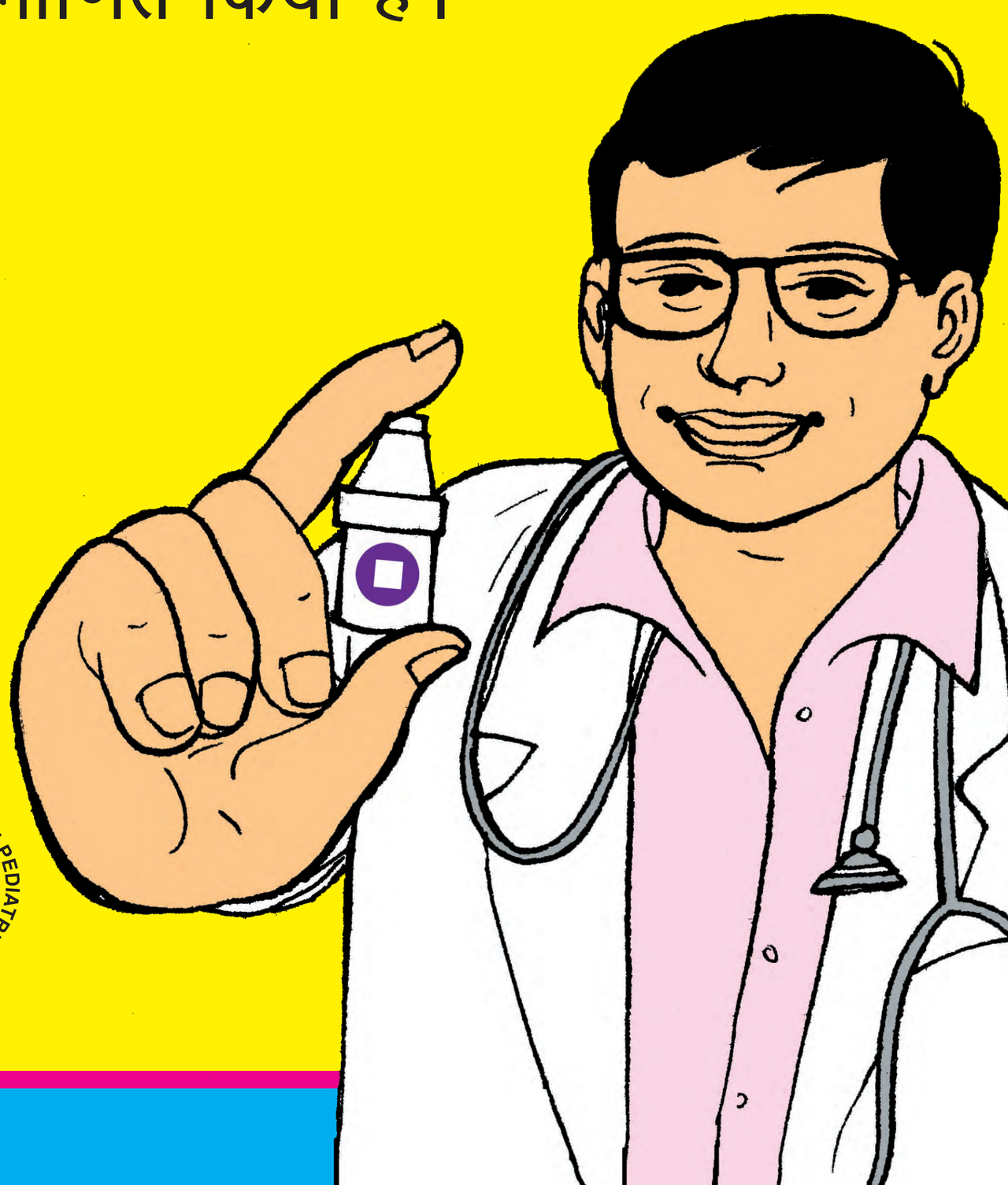

सत्यमेव जयते

WHO

ESTD 1928 INDIAN MEDICAL ASSOCIATION

THE INDIAN ACADEMY OF PEDIATRICS

पोलियो की खुराक सही है या नहीं इसकी पहचान कैसे होती है?

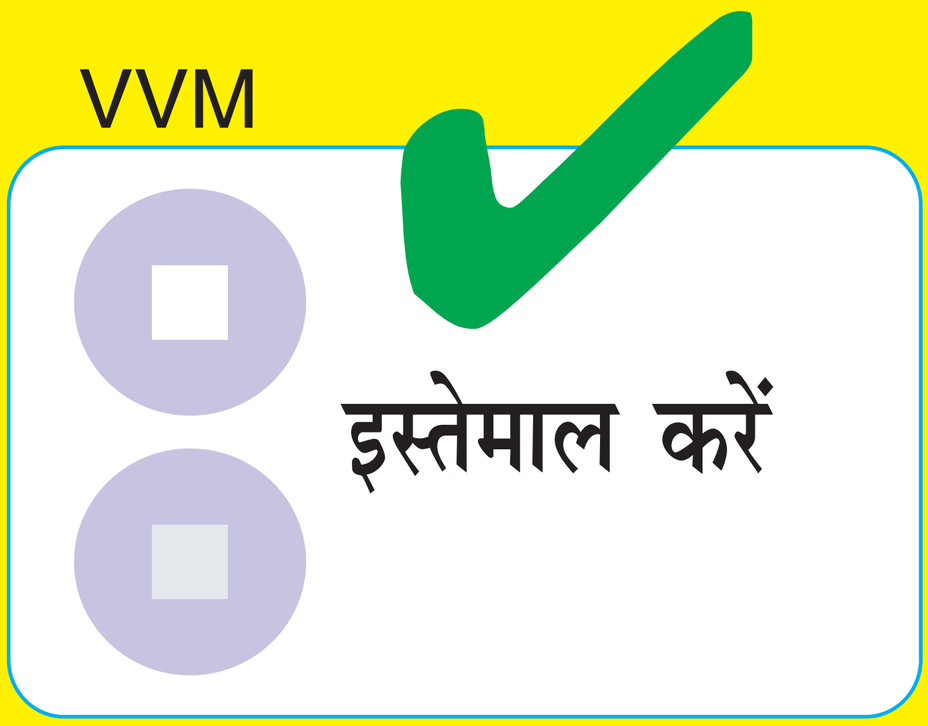

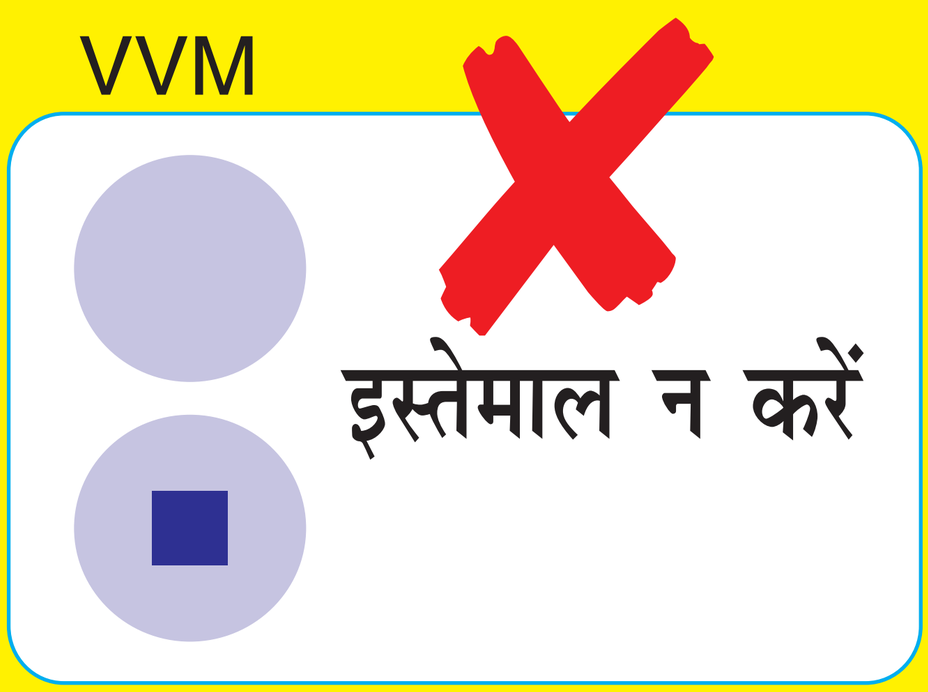

पोलियो वैक्सीन की हर शीशी पर वैक्सीन वॉयल मॉनीटर (वी.वी.एम.) लगा रहता है। वी.वी.एम. के रंग से वैक्सीन के गुणवत्ता की जाँच आसानी से की जा सकती है।